

19  $\frac{4}{22}$  पंजाबी पेश हूँ। वहील पेशी का डायाल लयारि  
गई। बार-बार डायाल लयारि के आवरु मई  
वहील पेशी लामालम मे हागि वही लोक  
पर आवेऊ मर मर का डायाल हागि  
डायाल पेशी मे खारिग सिम मर का पंजाबी  
फैमल गुजर होकर लयारि से का होकर  
कसिबल वाहर हूँ।

उपखण्ड अधिकारी, दांतारामगढ